



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 337]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 10, 2009/ज्येष्ठ 20, 1931

No. 337]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 10, 2009/JYAISTHA 20, 1931

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 जून, 2009

सा.का.नि. 395(अ).—प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 30 की उप-धारा (2) के अनुच्छेद (ज क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियमावली, 1957 में आगे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है ; नामतः

संक्षिप्त नाम और आरंभण : (1) इन नियमों को प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (संशोधन) नियमावली, 2008 कहा जाएगा।

(2) ये सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. नियम 21 का अंतर्वेशन प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियमावली, 1957 में, नियम 20 के पश्चात्, निम्नलिखित नियम को अंतर्विष्ट किया जाएगा, नामतः

***21. प्रतिभूतियों का असूचीयन :** कोई भी मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज अधिनियम के अंतर्गत अथवा तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य कानून के अंतर्गत की जाने वाली किसी कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा बनाए गए विनियमों अनुसार निम्न में से किसी भी आधार उसमें सूचीबद्ध प्रतिभूतियों को असूचीबद्ध कर सकती है ; नामतः

(क) कंपनी ने पूर्ववर्ती तीन निरंतर वर्षों के दौरान हानियां उपगत की हैं तथा इसका निवल मूल्य ऋणात्मक है ;

- (ख) कंपनी की प्रतिभूतियों में कारोबार छः माह से अधिक की अवधि के लिए निलंबित है ;
- (ग) पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान कंपनी की प्रतिभूतियों का कारोबार अनियमित रहा है ;
- (घ) कंपनी या इसके किसी प्रवर्तक या किसी निदेशक को अधिनियम या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 या निक्षेपागार अधिनियम, 1996 (1996 का 22) के किन्हीं प्रावधानों या उनके तहत बनाए गए नियमों, विनियमों, करारों, जैसा भी मामला हो, का अनुपालन करने में विफलता के लिए सिद्धदोष किया गया है तथा उसपर कम से कम एक करोड़ रुपए की शास्ति लगाई गई है अथवा कम से कम तीन वर्ष के कारावास का दंड दिया गया है ;
- (ङ) कंपनी या इसके किसी प्रवर्तक या इसके किसी निदेशक के पते ज्ञात नहीं है अथवा गलत पते प्रस्तुत किए गए हैं अथवा कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए अपना पंजीकृत कार्य बदल लिया है ; अथवा
- (च) जनता द्वारा धारित कंपनी की शेयरधारिता अधिनियम के तहत सूचीयन करार के अनुसार कंपनी पर प्रयोज्य न्यूनतम स्तर से कम हो गई है और कंपनी सार्वजनिक धारित को मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज द्वारा विनिर्दिष्ट समय-सीमा के भीतर अपेक्षित स्तर तक बढ़ाने में विफल रही है ;

बशर्ते कि कोई भी प्रतिभूतियां असूचीबद्ध नहीं की जाएंगी जब तक कि संबंधित कंपनी को सुनवाई का युक्तिसंगत अवसर प्रदान न कर दिया गया हो।

(2) यदि प्रतिभूतियां अनुच्छेद (1) के तहत असूचीबद्ध की गई हैं ;

(क) कंपनी, कंपनी का प्रवर्तक तथा निदेशक उन धारकों से बकाया प्रतिभूतियां संयुक्त तथा पृथक रूप से क्रय करने के उत्तरदायी होंगे जो अधिनियम के अंतर्गत सेबी द्वारा बनाए गए विनियमों के अनुसार निर्धारित उचित मूल्य पर उन्हें बेचने के इच्छुक है ; तथा

(ख) उक्त प्रतिभूतियां सभी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों से असूचीबद्ध कर दी जाएंगी।

(3) कोई मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज कंपनी के अनुरोध पर सेबी द्वारा अधिनियम के तहत बनाए गए विनियमों के अनुसार सूचीबद्ध किन्हीं प्रतिभूतियों को निम्न शर्तों के अधीन असूचीबद्ध कर सकता है ; नामतः

(क) कंपनी की प्रतिभूतियां मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज पर कम से कम तीन वर्ष के लिए सूचीबद्ध रही हों ;

(ख) ऐसे प्रतिभूतियां के असूचीयन को दो तिहाई सार्वजनिक शेयरधारकों द्वारा अनुमोदित कर दिया गया हो ; तथा

(ग) कंपनी, कंपनी के प्रवर्तक तथा/अथवा निदेशक उन धारकों से बकाया प्रतिभूतियां खरीद ले जो अधिनियम के तहत सेबी द्वारा बनाए गए विनियमों के तहत निर्धारित मूल्य पर उन्हें बेचने के इच्छुक हैं :

बशर्त कि सेबी द्वारा (ग) पर दी गई शर्त छोड़ी जाए यदि प्रतिभूतियां कम से कम नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड या बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड में सूचीबद्ध रहे।

[फा. सं. 1/14/एसई/2005]

डॉ. के. पी. कृष्णन, संयुक्त सचिव

टिप्पणी : प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियमावली, 1957, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड 3, पृष्ठ 619, दिनांक 21.2.1957 के एसआरओ संख्या 576 दिनांक 21 फरवरी, 1957 द्वारा प्रकाशित हुए और तत्पश्चात 22.7.1967 से भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड-3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 14.7.1967 के सा.का.नि. संख्या 1096, दिनांक 10.6.1972, पृष्ठ 1556 से भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड-3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 3.6.1972 सा.का.नि. 685, 12.8.1972 सा.का.नि. से एसआर 959 दिनांक 8.8.1972, 8.11.1975 से 1.11.1975 का सा.का.नि. 264, 23.11.1985 से दिनांक 11.11.1985 का सा.का.नि. 1083, दिनांक 15.11.1988 का सा.का.नि. 1070 (अ), दिनांक 20.7.1987 का सा.का.नि. 666(अ), दिनांक 13.11.1992 का सा.का.नि. 870 (अ), 20.9.1973 से भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड-3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 20.9.1973 का सा.का.नि. 1070, 617(अ), भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड-3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 12.10.1994 का सा.का.नि. 749 (अ), 9.3.1995 से भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड-3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 9.3.1995 का सा.का.नि. 121 (अ), भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड-3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 27.3.1995 के सा.का.नि. 291 (अ), 23.12.1996 से भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड-3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 23.12.1996 का सा.का.नि. 581 (अ), भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड-3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 8.8.2000 का सा.का.नि. 654, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड-3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 8.8.2000 का सा.का.नि. 655 (अ), 7.6.2001 से भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड-3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 7.6.2001 के सा.का.नि. 415 (अ) और 28.8.2003 से भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड-3, उप-खंड (i) में प्रकाशित दिनांक 28.8.2003 का सा.का.नि. 676 (अ) की संशोधन अधिसूचना द्वारा संशोधित किया गया।

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th June, 2009

G.S.R. 395(E).—In exercise of the powers conferred by clause (ha) of sub-section (2) of section 30 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, namely:

1. Short title and commencement (1) These rules may be called the Securities Contracts (Regulation) (Amendment) Rules, 2008.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Insertion of rule 21 In the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, after rule 20, the following rule shall be inserted, namely:

“21. Delisting of securities. A recognized stock exchange may, without prejudice to any other action that may be taken under the Act or under any other law for the time being in force, delist any securities listed thereon on any of the following grounds in accordance with the regulations made by the Securities and Exchange Board of India, namely:-

- (a) the company has incurred losses during the preceding three consecutive years and it has negative networth;
- (b) trading in the securities of the company has remained suspended for a period of more than six months;
- (c) the securities of the company have remained infrequently traded during the preceding three years;
- (d) the company or any of its promoters or any of its director has been convicted for failure to comply with any of the provisions of the Act or the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 or the Depositories Act, 1996 (22 of 1996) or rules, regulations, agreements made there under, as the case may be and awarded a penalty of not less than rupees one crore or imprisonment of not less than three years;
- (e) the addresses of the company or any of its promoter or any of its directors, are not known or false addresses have been furnished or the company has changed its

registered office in contravention of the provisions of the Companies Act, 1956 (1 of 1956); or

- (f) shareholding of the company held by the public has come below the minimum level applicable to the company as per the listing agreement under the Act and the company has failed to raise public holding to the required level within the time specified by the recognized stock exchange :

Provided that no securities shall be delisted unless the company concerned has been given a reasonable opportunity of being heard.

- (2) If the securities is delisted under clause (1),
- (a) the company, promoter and director of the company shall be jointly and severally liable to purchase the outstanding securities from those holders who wish to sell them at a fair price determined in accordance with regulations made by Securities and Exchange Board of India, under the Act; and
- (b) the said securities shall be delisted from all recognized stock exchanges.
- (3) A recognized stock exchange may, on the request of the company, delist any securities listed thereon in accordance with the regulations made under the Act by Securities Exchange Board of India, subject to the following conditions, namely : -
- (a) the securities of the company have been listed for a minimum period of three years on the recognized stock exchange;
- (b) the delisting of such securities has been approved by the two-third of public shareholders; and
- (c) the company, promoter and/ or the director of the company purchase the outstanding securities from those holders who wish to sell them at a price determined in accordance with regulations made by Securities and Exchange Board of India" under the Act :

Provided that the condition at (c) may be dispensed with by Securities and Exchange Board of India if the securities remain listed at least on the National Stock Exchange of India Limited, or the Bombay Stock Exchange Limited."

[F.No. 1/14/SE/2005]

Dr. K. P. KRISHNAN, Jt. Secy.

Note: Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957 were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, page 619, dated 21.2.1957 vide SRO No. 576 dated the 21st of

2159 GE/09-2

February, 1957 and was subsequently amended by the amendment Notification ---GSR 1096, dated 14.7.1967 published in the Gazette of India I, Part II section 3, sub section (i), w.e.f. 22.7.1967, G.S.R 685, dated 3.6.1972 published in the Gazette of India, Part II, section 3, sub section (i) w.e.f. 10.6.1972, page 1556, G.S.R. to S.R. 959, dated 8.8.1972, w.e.f. 12.8.1972, G.S.R. 2641, dated 1.11.1975 w.e.f. 8.11.1975, GSR 1083 dated 11.11.1985, w.e.f. 23.11.1985, GSR 1070(E) dated 15.11.1988, GSR 666(E) dated 20.7.1987, G.S.R. 870 (E) dated 13.11.1992, GSR 617 (E) dated 20.9.1993 published in the Gazette of India Extraordinary Part II, section 3, sub section (i) w.e.f. 20.9.1993, GSR 749 (E) dated 12.10.1994, published in the Gazette of India, Extraordinary Part II, section 3, sub-section (i), GSR 790(E) , dated 7.11.1994, GSR 121(E) dated 9.3.1995, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, section 3, sub section (i) w.e.f. 9.3.1995, GSR 291 (E), dated 27.3.1995, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, section 3, sub section (i), GSR 581 (E) dated 23.12.1996 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, section 3, sub section (i) w.e.f. 23.12.1996, G.S.R. 654 (E) dated 8.8.2000, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, sub-section (i), G.S.R. 655(E), dated 8.8.2000, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, section 3, sub-section (i), G.S.R. 415 (E), dated 7.6.2001, published in the Gazette of India, Extraordinary Part II, section 3, sub-section (i) dated 7.6.2001, and G.S.R. 696 (E), dated 28.8.2003, published in the Gazette of India, Extraordinary Part II, section 3, sub-section (i) dated 28.8.2003.